Series ABDC2/4 **Set No. 1**

प्रश्न-पत्र कोड 2/4/1

अनुक्रमांक

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित पृष्ठ **4** हैं ।*
- *प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न–पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर लिखें ।*
- *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में **7** प्रश्न हैं ।*
- ***कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर–पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।***
- *इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न–पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।*

हिन्दी (आधार)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 40*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं – **खण्ड क** और **खण्ड ख** ।*

(iii) *इस प्रश्न-पत्र में कुल **07** प्रश्न पूछे गए हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

(iv) *प्रश्नों में आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं । निर्देशानुसार उत्तर दीजिए ।*

खण्ड क

(कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन) **20**

1. निम्नलिखित दिए गए तीन शीर्षकों में से किसी ***एक*** शीर्षक का चयन कर लगभग 150 – 200 शब्दों का एक रचनात्मक लेख लिखिए : *1×5=5*

(क) एक शाम स्वर्ण मंदिर के पास

(ख) जब मैं स्कूल देर से पहुँचा

(ग) शारीरिक चुनौती झेलते लोग

2. (क) आप नेहा/नवीन हैं । आप अपने विद्यालय के सांस्कृतिक सचिव हैं । आप अपने विद्यालय में गणतंत्र दिवस के अवसर पर हास्य कवि-सम्मेलन का आयोजन करवाना चाहते हैं । इसकी अनुमति प्राप्त करने हेतु अपने विद्यालय के प्राचार्य/प्राचार्या को पत्र लिखिए । *5*

अथवा

(ख) आप सुशीला/सुशील हैं । विद्यालय में अध्यापन के साथ-साथ अन्य सामाजिक और प्रशासनिक गतिविधियों में भी अध्यापक-अध्यापिकाओं का महत्त्वपूर्ण योगदान रहता है । उनके इस कार्य की प्रशंसा करते हुए दैनिक हिन्दी समाचार-पत्र 'हमारा पेपर' के संपादक को पत्र लिखिए । *5*

3. (i) (क) किसी भी कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय परिवेश तथा उन पर लेखक की टिप्पणियों को दृश्य में नहीं ढाला जा सकता है । इन तत्त्वों को नाटक में किस प्रकार दर्शाया जा सकता है ? स्पष्ट कीजिए । *3*

अथवा

(ख) 'संवाद' से जुड़ा वह कौन-सा तथ्य है जो रेडियो नाटक पर विशेष रूप से लागू होता है और क्यों ? *3*

(ii) (क) सिनेमा या मंच पर अभिनीत नाटकों की तुलना में रेडियो नाटक की अवधि सीमित क्यों रखी जाती है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए । *2*

अथवा

(ख) कहानी को नाट्य रूप में परिवर्तित करते समय उसे दृश्यों में क्यों विभाजित किया जाता है ? *2*

4. (i) (क) समाचार लेखन के छह ककारों का उल्लेख करते हुए बताइए कि पहले चार ककारों में किस पहलू पर और अंतिम दो ककारों में किस पहलू पर जोर दिया जाता है । *3*

अथवा

(ख) अच्छे लेखन के लिए किसी भी पत्रकार को ख़बर लिखते समय किन बातों पर ध्यान देना चाहिए ? *3*

(ii) (क) समाचार लेखन की उलटा पिरामिड शैली क्या है ? समझाइए । *2*

अथवा

(ख) विशेष लेखन किसे कहते हैं ? उदाहरण सहित लिखिए । *2*

खण्ड ख

(पाठ्यपुस्तक और अनुपूरक पाठ्यपुस्तक) **20**

5. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 – 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) आपने सूर्योदय देखा होगा । 'उषा' कविता में वर्णित सूर्योदय से स्वयं देखे सूर्योदय की तुलना करते हुए अपना अनुभव लिखिए । *3*

(ii) 'कवितावली' के छंदों के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि तुलसीदास अपने समय की सामाजिक स्थितियों की अच्छी परख रखते थे । कैसे ? *3*

(iii) 'फ़िराक की रुबाइयों में ग्रामीण जीवन के बिंबों का सुंदर प्रयोग हुआ है ।' उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए । *3*

6. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 – 60 शब्दों में लिखिए : *3×3=9*

(i) 'पहलवान की ढोलक' कहानी में पुरानी व्यवस्था और नई व्यवस्था के टकराव से उत्पन्न समस्या को किस प्रकार व्यक्त किया गया है ? स्पष्ट कीजिए । *3*

(ii) नमक की पुड़िया ले जाने या न ले जाने के बारे में 'सफ़िया' के मन में कैसा द्वन्द्व था ? 'नमक' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए । *3*

(iii) पेशा बदलने की अनुमति न होना भारत में बेरोज़गारी का एक प्रमुख और प्रत्यक्ष कारण कैसे बना हुआ है और इसके क्या परिणाम संभावित हैं ? 'श्रम विभाजन और जाति-प्रथा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए । *3*

(iv) 'समता' को काल्पनिक जगत की वस्तु क्यों माना गया है ? डॉ. भीमराव आंबेडकर ने समता की आवश्यकता पर बल क्यों दिया है ? 'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' पाठ के आधार पर लिखिए । *3*

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+2=5*

(i) (क) 'मुअनजो-दड़ो' और 'हड़प्पा' को भारत के ही नहीं दुनिया के सबसे पुराने उत्कृष्ट शहर के रूप में क्यों जाना जाता है ? 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर कारण सहित लिखिए । *3*

अथवा

(ख) "स्मृतियाँ मेरे लिए पोशाकों की तुलना में ज़्यादा मायने रखती हैं ।" – 'डायरी के पन्ने' पाठ से उद्धृत ऐन फ्रैंक के इस कथन की समीक्षा कीजिए । *3*

(ii) (क) अपने पापा को ए.एस.एस. से बुलाए जाने की बात सुनकर ऐन फ्रैंक अवाक् क्यों रह गई थी ? 'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर लिखिए । *2*

अथवा

(ख) मुअनजो-दड़ो के घरों में टहलते हुए लेखक को कुलधरा की याद क्यों हो आई ? 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर लिखिए । *2*

अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट टर्म - II परीक्षा, 2022

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न पत्र कोड : 2/4/1, 2/4/2, 2/4/3

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं है, जो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति दस्तावेज़ को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ ।**
4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
6. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
7. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें, उन्हीं पर अंक दें।

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।
10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-40 (उदाहरण 0-40 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है । प्रतिदिन मुख्य विषयों की **30** उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 35 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें, जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं ।

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना ।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना, किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

13. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
14. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
15. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
16. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
17. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है ।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा
मार्च -2022
अंक योजना : हिंदी – आधार (302) प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या 2/4/1, 2/4/2, 2/4/3
कक्षा : XII

अधिकतम अंक : 40

सामान्य निर्देश

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
- वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। बल्कि सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न सं	**प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या**			**उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु**	**निर्धारित अंक विभाजन**
	2/4/1	**2/4/2**	**2/4/3**		
				खंड क **(कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन)**	
1.	1.	1.	1.	<u>प्रदत्त विषयों में से किसी एक पर रचनात्मक लेख</u> भूमिका विषयवस्तु भाषा	 **1** **3** **1**
					5
2.	2.	2.	2.	<u>पत्र लेखन</u> आरंभ और अंत की औपचारिकताएॅ विषयवस्तु भाषा	 **1** **3** **1**
					5
3.	3. (i) क	3. (i) क	3. (i) क	• पात्र , परिस्थिति एवं परिवेश से संबंधित उपयुक्त टिप्पणियों के चयन द्वारा • मंच सज्जा एवं /अथवा पार्श्व संगीत के द्वारा • संवाद एवं दृश्य योजना द्वारा	**3**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/4/1	2/4/2	2/4/3		
	अथवा i(ख)	अथवा i(ख)	अथवा i(ख)	• रेडियो नाटक में पात्र-संबंधी तमाम जानकारी संवादों के माध्यम से ही - यथा नाम , आपसी संबंध , चारित्रिक विशेषताएँ आदि | • श्रव्य माध्यम है ,अतः संवाद जिस चरित्र को संबोधित है उसका नाम लेना जरुरी • पात्रों की विशेष गतिविधि और ऐक्शन को भी संवाद का हिस्सा बनाना आवश्यक	3
	ii(क)	ii(क)	ii(क)	• रेडियो नाटक प्रेक्षागृह में बैठकर नहीं सुना जाता , इसके श्रोता एक्टिव ऑडिएंस नहीं • लंबी अवधि के लिए श्रोता की एकाग्रता बनाए रखना कठिन • लंबी अवधि के नाटक में श्रोता रेडियो का चैनल भी बदल सकता है • रेडियो नाटक की अवधी 15-20 मिनट के लिए ही होती है	2
	अथवा ii(ख)	अथवा ii(ख)	अथवा ii(ख)	• परिवर्तित करते समय मंचन की सुविधा के लिए दृश्यों में विभाजित दृश्य - योजना • एक समय और स्थान पर घटित घटना एक- साथ दिखाने के लिए • कथानक को आगे बढ़ाने ,पात्रों और परिवेश को स्थापित करने के लिए	2
4.	4. i(क)	4. i(क)	4. i(क)	• क्या, किसके (या कौन) , कहाँ , कब , कैसे और क्यों -छह ककारों के रूप में	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/4/1	2/4/2	2/4/3		
				• पहले चार ककार में विवरणात्मक क्या, कौन, कब और कहाँ—सूचना और तथ्यों पर आधारित, • अंतिम दो ककारों में व्याख्यात्मक और विश्लेष्मात्मक पहलू पर जोर कैसे और क्यों	3
	अथवा i(ख)	अथवा i(ख)	अथवा i(ख)	• जटिल वाक्य की तुलना में सरल वाक्य संरचना को वरीयता • आम बोलचाल की भाषा और शब्दों का प्रयोग • पूरी दुनिया से लेकर अपने आसपास घटने वाली घटनाओं, समाज और पर्यावरण पर गहरी निगाह रखना • गैर-जरूरी विशेषणों, जार्गन्स (ऐसी शब्दावली जिससे बहुत कम पाठक परिचित होते हैं) और क्लीशे (दोहराव) से बचना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	ii(क)	ii(क)	ii(क)	• समाचार-लेखन की एक लोकप्रिय और बुनियादी शैली • इंट्रो, बॉडी और समापन • सबसे बड़ी /महत्त्वपूर्ण सूचना /क्लाइमेक्स सबसे पहले • विस्तार एवं संबंधित वर्णन बाद में	2
	अथवा ii(ख)	अथवा ii(ख)	अथवा ii(ख)	• किसी खास विषय पर सामान्य से हटकर किया गया लेखन • जैसे कारोबार ,खेल आदि से संबंधित लेखन	2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/4/1	2/4/2	2/4/3		
5.				**खण्ड-ख** **(पाठ्यपुस्तक और पूरक पाठ्यपुस्तक)** **(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	
	5. (i)	—	—	• 'उषा' कविता के दृश्य का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों के अनुभवों की अभिव्यक्ति वाले उत्तर स्वीकार्य	**3**
	(ii)	—	—	• सामाजिक एवं तत्कालीन समाज में नैतिक मूल्यों के पतन का वर्णन • सामाजिक विषमताओं का वर्णन यथा जातिगत भेदभाव , ऊंच-नीच का अंतर • अकाल , बेरोज़गारी एवं भुखमरी का वर्णन • किसाननागरिक तथा व्यापारी वर्ग की , समस्याओं का वर्णन। **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	(iii)	—	—	• ग्रामीण परिवेश में आँगन वाला घर • आँगन में माँ द्वारा बच्चे को खिलाना • घुटनियों में लेकर बच्चे को सजाना-सँवारना • शीशे में चाँद का प्रतिबिंब दिखाकर बच्चे को बहलाना • दीवाली के अवसर पर घर को पोतना, सजाना और बच्चे के घरौंदे में दिया जलाना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	—	5. (i)	—	• नीले आकाश में उदित होते सूरज के लिए नील जल में स्नान करती गोरी देह का उपमान • सूर्य की दमकती काया का गौर वर्ण सुंदरी के रूप में चित्रण, जो सरोवर में जल क्रीड़ा कर रही है	**3**
	—	(ii)	—	• लक्ष्मण को शक्तिबाण लगने पर भाई के शोक में व्यथित	**3**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/4/1	2/4/2	2/4/3		
				राम का विलाप करना • दुख की अधिकता से प्रलाप की स्थिति और सामान्य मनुष्यों की तरह लक्ष्मण के प्रति प्रेम प्रकट करना • रुदन के साथ आत्मालाप करते हुए दुख की अभिव्यक्ति करना • उनके मनोभावों का मानववत प्रकट होना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	
	—	(iii)	—	• रक्षाबंधन के पवित्र और मीठे बंधन के माध्यम से • सावन की घटाओं के उमड़ने से भी भाईबहन के इस - त्यौहार का स्नेहपूर्ण बन जाना • सावन की घटाएँ और बिजली परस्पर प्रेम ,मधुर संबंधों एवं स्नेह का प्रतीक • राखी और उसके कच्चे धागों पर बिजली के लच्छे जैसा भाई-बहन का प्रेम **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	—	—	5. (i)	• माँ द्वारा आँगन में खड़े होकर अपने बच्चे का खिलाना • बच्चे को चाँद का टुकड़ा कहना • बच्चे को हाथों का झूला झुलाना • माँ का बच्चे को प्यार से नहलाना , कंघी करना , कपड़े बदलना • बच्चे को हवा में लोका देना • बच्चे के घरौंदे में दिए जलाना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	—	—	(ii)	• रावण द्वारा विवाहित परायी स्त्री के हरण जैसा निंदनीय कृत्य करने के बाद भी अपना कल्याण चाहने का दुस्साहस करना • सीता को जगदंबा का रूप समझ उनका अपहरण करने वाले रावण के कुलनाश की आशंका • राम की प्रभुता और शक्ति को समझ जाना	**3**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/4/1	2/4/2	2/4/3		
	—	—	(iii)	• उत्प्रेक्षा अलंकार का प्रयोग **(कोई दो उदाहरण अपेक्षित)** उदाहरण- प्रातः नभ था बहुत नीला शंख जैसे, भोर का नभ/राख से लीपा हुआ चौका (आदि) • काव्य भाषा में चित्रात्मकता और सुंदरता • मुक्त छंद में लिखी गई कविता • बिंब प्रधान कविता	**3**
				खण्ड-ख **(पाठ्यपुस्तक और पूरक पाठ्यपुस्तक)** **(किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	
6.	6. (i)	6. (i)	6. (i)	• कहानी में व्यवस्था परिवर्तन से उत्पन्न समस्या की अभिव्यक्ति • राजा साहब की मृत्यु के बाद नए राजकुमार के राज्यभार सँभालने के बाद राज पहलवान अजेय लुट्टन-को मिल रही राजकीय सहायता बंद • व्यवस्था के बदलने के साथ लोक-कला और इसके कलाकार किस प्रकार अप्रासंगिक हो जाते हैं, इसी दर्द का वर्णन	**3**
	(ii)	(ii)	(ii)	• नमक को कीनू की टोकरी में गैरकानूनी ढंग से छिपाकर ले जाए अथवा कस्टम अधिकारियों को दिखाकर • सिख बीबी के लिए नमक की सौगात को कैसे लाहौर से भारत ले जाए, • अगर कस्टम वालों ने नमक न ले जाने दिया तो उस माँ से किए वायदे का क्या होगा ? • मुहब्बत और कानून में से किसकी बात मानी जाए ? **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/4/1	2/4/2	2/4/3		
	(iii)	(iii)	(iii)	जन्म से संबंधित • जाति का पेशे से संबंध। • जीवनभर एक ही पेशे से बँधे रहना। • पेशा अनुपयुक्त हो जाने पर बेरोजगारी को बढ़ावा तथा भुखमरी , • अरुचिपूर्ण व्यवसाय करने की बाध्यता से उसमें कुशलता का अभाव • ऐसे श्रम विभाजन का देश के आर्थिक पहलू पर भी दुष्प्रभाव **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	(iv)	(iv)	(iv)	• आलोचकों का मानना है कि सामाजिक समानता असंभव • प्रत्येक व्यक्ति की क्षमता और जरूरत अलग • सभी को समान अवसर उपलब्ध कराना कठिन और अव्यावहारिक • डॉ. अंबेडकर के अनुसार समता के नियामक सिद्धांत मानवता के दृष्टिकोण से समाज को वर्गों व श्रेणियों में विभाजित करना अनुचित • सामाजिक समता प्रदान कर ही समाज अपने नागरिकों से अधिकतम उपयोगिता प्राप्त कर सकता है।	**3**
7.	7. (i)क	7. (i)क	7. (i)क	• दोनों पुराने और नियोजित शहर जिसमें शानदार इमारतें , स्नानागार , कुंड , व्यवस्थित सड़कें एवं नालियाँ • परवर्ती और परिपक्व दौर के शहर • की मूर्तियाँ -धातु , सड़कें, भाँडे-साजो , मुहरें , सामान और खिलौने आदि का मिलना । • ताम्रकाल के शहरों में सबसे बड़ा। • सुव्यवस्थित और सुनियोजित शहर। **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/4/1	2/4/2	2/4/3		
	अथवा i(ख)	अथवा i(ख)	अथवा i(ख)	• ऐन फ्रैंक के चरित्र की कोमलता और भावुकता की अभिव्यक्ति • सामान्य बच्चों के विपरीत ऐन फ्रैंक द्वारा भावनाओं और स्मृतियों को अधिक महत्त्व देना • अज्ञातवास के लिए जाते समय पोशाकों की जगह सबसे पहले अपनी डायरी रखना • स्कूली किताब, कलर्स के साथ-साथ कुछ पुरानी चिट्ठियाँ भी थैले में रख कर ले जाना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	(ii)क	(ii)क	(ii)क	• भय और डर के कारण • यातना शिविरों और वहाँ की कोठरियों में कैदियों को दी जाने वाली यातनाओं की कल्पना करके • पिता के प्रति चिंता **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2
	अथवा ii(ख)	अथवा ii(ख)	अथवा ii(ख)	• राजस्थान और सिंध-गुजरात की एक-सी भू -दृश्यावली • दोनों जगह पाए जाने वाले एक-से खेत एवं बाजरे- ज्वार की खेती • दोनों जगह गांव में बाशिंदों के बिना साँस लेते कच्ची-पक्कीईटों घर ,गली-कूचे आदि	2